ये अव्यक्त इशारे

अशरीरी व विदेही स्थिति का अभ्यास बढ़ाओ

17-11-2025

विदेही बनने की विधि है - बिन्दी बनना। अशरीरी बनते हो, कर्मातीत बनते हो, सबकी विधि बिन्दी है इसलिए बापदादा कहते हैं अमृतवेले बापदादा से मिलन मनाते, रूहरिहान करते जब कार्य में आते हो तो पहले तीन बिन्दियों का तिलक मस्तक पर लगाओ और चेक करो - किसी भी कारण से यह स्मृति का तिलक मिट तो नहीं जाता है ? अविनाशी, अमिट तिलक रहे।

Increase the practice of the bodiless stage (ashariri and videhi)

The way to become bodiless is to become a point. The way for all of you to become bodiless and karmateet is to become a point, and this is why BapDada says: Before celebrating a meeting with BapDada at amrit vela and having a heart-to-heart conversation and before you start to act, first of all, put a tilak of the three dots on your forehead. Then check that that tilak is not wiped off due to any reason. The tilak should remain so imperishable that it cannot be wiped off.